Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय

भाग-3

नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण

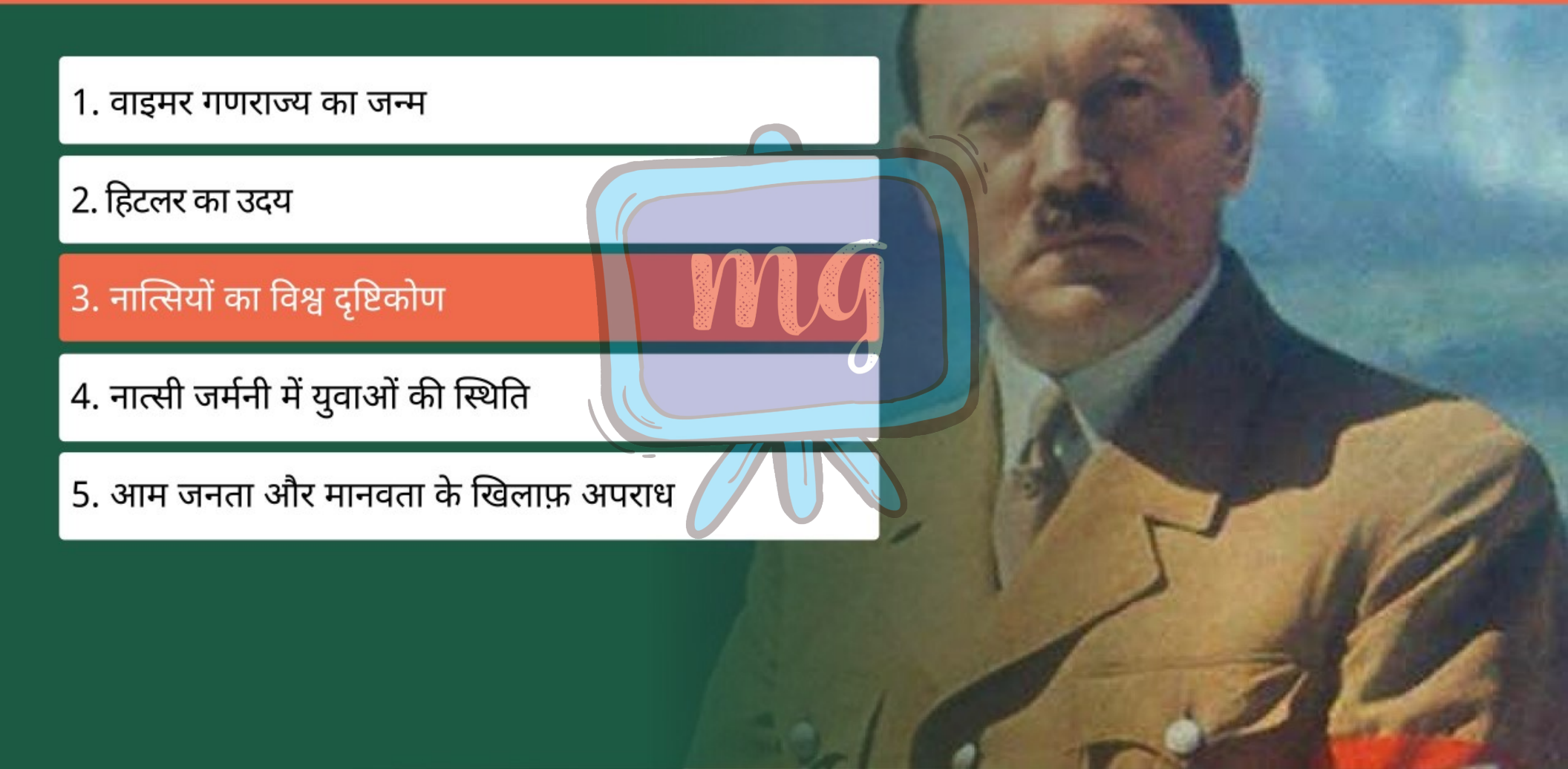
निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. वाइमर गणराज्य का जन्म
2. हिटलर का उदय
3. नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण
4. नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति
5. आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध

योग्यता आधारित शिक्षण (Competency)

हिटलर की नस्लवादी विचारधारा

नात्सियों द्वारा अवांछितों का दमन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण

- नात्सी विचारधारा हिटलर के विश्व दृष्टिकोण का पर्यायवाची थी।
- इस विश्व दृष्टिकोण में सभी समाजों को बराबरी का हक नहीं था।
- इस नज़रिये में ब्लॉन्ड, नीली आँखों वाले, नॉर्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपर थे।
- यहूदी सबसे निचले पायदान पर थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

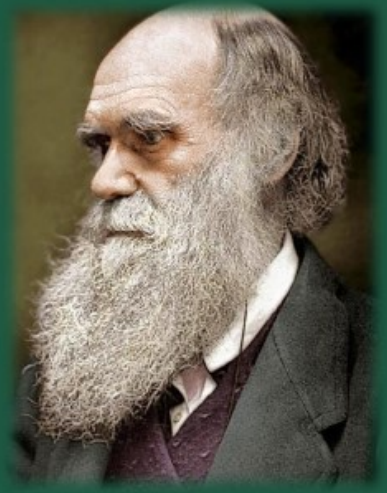
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहूदियों को नस्ल विरोधी, यानी आर्यों का कट्टर शत्रु माना जाता था।
- हिटलर की नस्ली सोच चार्ल्स डार्विन और हर्बर्ट स्पेंसर जैसे-विचारकों के सिद्धांतों पर आधारित थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

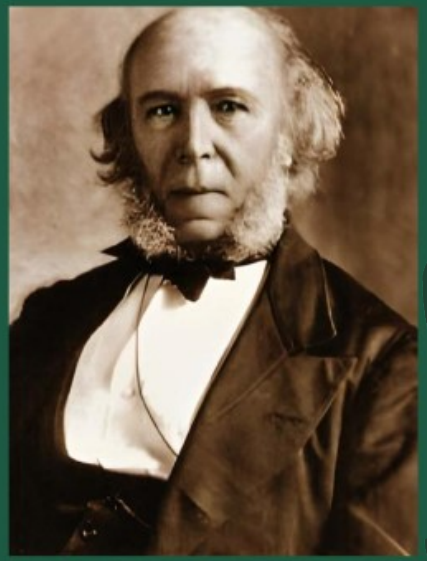


डार्विन

- प्रकृति विज्ञानी
- विकास और प्राकृतिक चयन की अवधारणा के ज़रिए पौधों और पशुओं की उत्पत्ति की व्याख्या की।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



हर्बर्ट स्पेंसर

- अति जीविका का सिद्धांत (सरवाइवल ऑफ़ द फ़िटेस्ट) जो सबसे योग्य है वही ज़िंदा बचेगा का विचार दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नस्लवादी विचारकों और राजनेताओं ने पराजित समाजों पर अपने साम्राज्यवादी शासन को सही ठहराने के लिए डार्विन के विचारों का सहारा लिया।
- नात्सियों की दलील थी कि जो नस्ल सबसे ताकतवर है वह जिंदा रहेगी।
- कमजोर नस्लें खत्म हो जाएगी।
- आर्य नस्ल सर्वश्रेष्ठ है।
- उसे अपनी शुद्धता बनाए रखनी है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- ताकत हासिल करके दुनिया का वर्चस्व कायम करना है।
- हिटलर की विचारधारा का दूसरा पहलू लेबेन्स्त्राउम या जीवन-परिधि की भू-राजनीतिक अवधारणा से सम्बन्धित था।
- वह मानता था कि अपने लोगों को बसाने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा इलाकों पर कब्ज़ा करना जरूरी है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- हिटलर इस तरह जर्मन राष्ट्र के लिए संसाधन और बेहिसाब शक्ति इकट्ठा करना चाहता था।
- पूरब में हिटलर जर्मन सीमाओं को और फैलाना चाहता था।
- पोलैंड इस धारणा की पहली प्रयोगशाला बना।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नए शब्द

नॉर्डिक जर्मन आर्य : आर्य बताए जाने वालों की एक शाखा। ये लोग उत्तरी यूरोपीय देशों में रहते थे और जर्मन या मिलते-जुलते मूल के लोग थे।

ब्लॉन्ड : नीली आँखों और सुनहरे बालों वाले।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नस्लवादी राज्य की स्थापना



- सत्ता में पहुँचते ही नात्सियों द्वारा 'शुद्ध' जर्मनों के विशिष्ट नस्ली समुदाय की स्थापना करना शुरू किया गया।
- सबसे पहले अवांछित नस्लों को खत्म किया गया।
- नात्सी 'शुद्ध और स्वस्थ नॉर्डिक आर्यों' का समाज बनाना चाहते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- ये ही लोग तरक्की और वंश-विस्तार के योग्य माने गये।
- ऐसे जर्मनों को भी जिंदा रहने का कोई हक नहीं था जिन्हें नात्सी-अशुद्ध या असामान्य मानते थे।
- यूथनेज़िया (दया मृत्यु) कार्यक्रम के तहत नात्सी अफ़सरों द्वारा असंख्य ऐसे जर्मनों को मौत के घाट उतारा गया जिन्हें वह मानसिक या शारीरिक रूप से अयोग्य मानते थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहूदियों को अवांछितों की श्रेणी में रखा गया था।
- यहूदियों के अलावा भी कई नस्लों को अवांछितों की श्रेणी में रखा गया।
- जिप्सियो और अश्वेतों की पहले तो जर्मन नागरिकता छीन ली गई और बाद में उन्हें मार दिया गया।
- रूसी और पोलिश मूल के लोगों को मनुष्य से कमतर माना गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पुलिस के पहरे में औषवित्स भेजे जा रहे जिप्सी,
1943-1944

Under CSR Support by ipca | Foundation

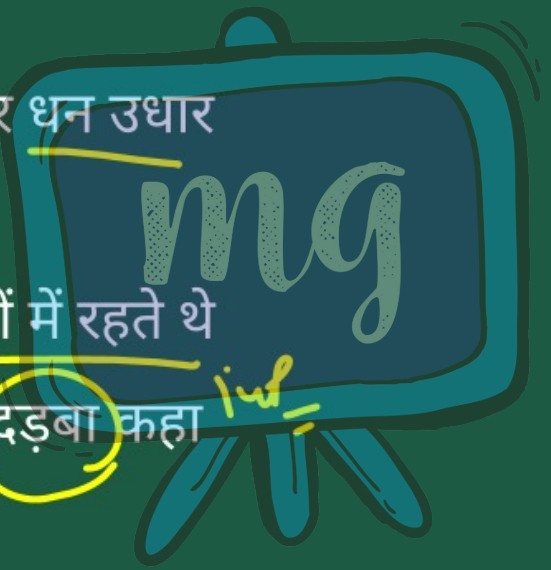
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सी जर्मनी में सबसे बुरा हाल यहूदियों का हुआ।
- यहूदियों के प्रति नात्सियों की दुश्मनी का एक आधार यहूदियों के प्रति ईसाई धर्म में मौजूद परम्परागत घृणा भी थी।
- ईसाइयों का आरोप था कि ईसा मसीह को यहूदियों ने ही मारा था।
- ईसाइयों की नजर में यहूदी हत्यारे और सूदखोर थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

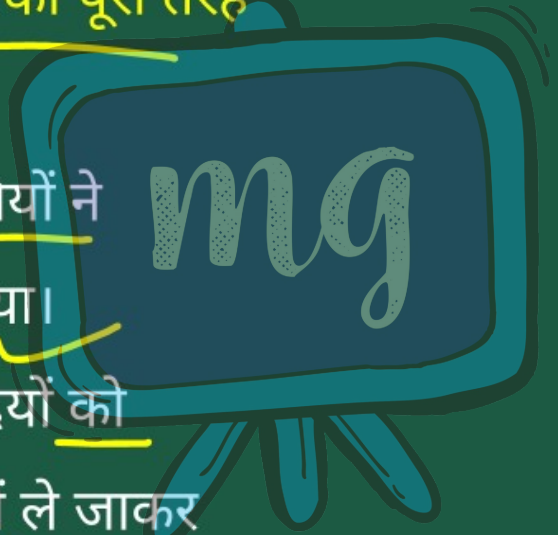
- मध्यकाल तक यहूदियों को ज़मीन का मालिक बनने की मनाही थी।
- ये लोग मुख्य रूप से व्यापार और धन उधार देने का धंधा करते थे।
- वे बाकी समाज से अलग बस्तियों में रहते थे जिन्हे घेटो (Ghettoes) यानी दड़बा कहा जाता था।
- धर्म परिवर्तन के रास्ते वे ईसाई नस्ल-संहार से बच सकते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- लेकिन हिटलर की 'दृष्टि' में इस समस्या का सिर्फ एक ही हल था – यहूदियों को पूरी तरह खत्म करना।
- सन् 1933 से 1938 तक नात्सियों ने यहूदियों को बहुत आतंकित किया।
- 1939-45 के दूसरे दौर में यहूदियों को पोलैंड में बनाए गए गैस चेंबरों में ले जाकर मार देने की रणनीति अपनाई गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नए शब्द

जिप्सी : 'जिप्सी' के नाम से श्रेणीबद्ध किए गए समूहों की अपनी सामुदायिक पहचान थी। सिन्ती और रोमा ऐसे ही दो समुदाय थे।

सूदखोर : बहुत ज़्यादा ब्याज वसूल करने वाले महाजन; इस शब्द का प्रायः गाली के रूप प्रयोग किया जाता है।

घेटो : किसी समुदाय को औरों से अलग-थलग करके रखना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नस्ली कल्पनालोक (यूटोपिया)

- युद्ध के साए में नात्सी अपने कातिलाना, नस्लवादी कल्पनालोक या आदर्श विश्व के निर्माण में लग गए।
- पराजित पोलैण्ड को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया गया।
- उत्तर-पश्चिमी पोलैण्ड का ज़्यादातर हिस्सा जर्मनी में मिला लिया गया।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पोलैण्ड के लोगों को अपने घर छोड़कर भागने के लिए मजबूर किया गया।
- पोलैंडवासियों को मवेशियों की तरह खदेड़ कर जनरल गवर्नमेंट नामक दूसरे हिस्से में पहुँचा दिया गया।
- पोलैण्ड के बुद्धिजीवियों को मौत के घाट उतारा गया।
- यह पूरे पोलैंड के समाज को बौद्धिक और आध्यात्मिक स्तर पर गुलाम बना लेने की चाल थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- आर्य जैसे लगने वाले पोलैंड के बच्चों को जाँच के लिए 'नस्ल विशेषज्ञों' के पास पहुँचा दिया गया।
- जनरल गवर्नमेंट में कुछ विशालतम घेटो और गैस चेंबर भी थे।
- यहाँ यहूदियों को बड़े पैमाने पर मारा जाता था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



यहूदियों को गैस चेंबरों तक ले जाने वाली एक मालवाहक गाड़ी

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

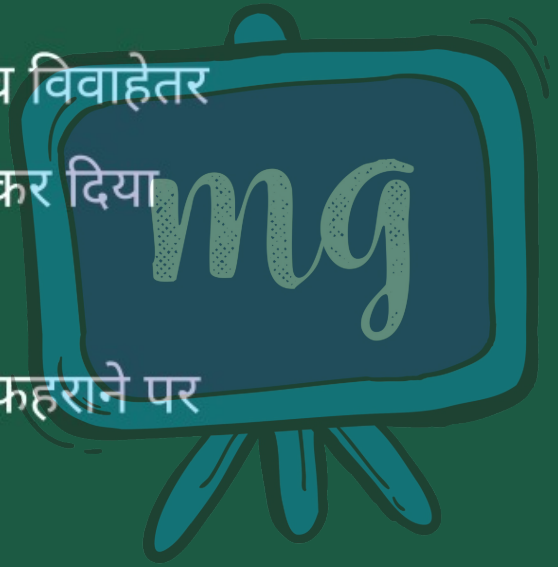
मौत का सिलसिला

- पहला चरण : बहिष्कार: 1933-39
  (हमारे बीच तुम्हें नागरिकों की तरह रहने का कोई हक नहीं।)
- न्यूरेम्बर्ग नागरिकता अधिकार, सितम्बर 1935 :
  - जर्मन या उससे संबंधित रक्त वाले व्यक्ति ही जर्मन नागरिक होंगे और उन्हें जर्मन साम्राज्य का संरक्षण मिलेगा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहूदियों और जर्मनों के बीच विवाह पर पाबंदी।
- यहूदियों और जर्मनों के बीच विवाहेतर संबंधों को अपराध घोषित कर दिया गया।
- यहूदियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर पाबंदी लगा दी गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अन्य कानूनी उपाय :

- यहूदी व्यवसायों का बहिष्कार।
- सरकारी सेवाओं से निकाला जाना।
- यहूदियों की सम्पत्ति की ज़ब्ती और बिक्री।



पार्क में रखी बेंच: केवल आर्यों के लिए

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



इस संकेतपट्ट में एलान किया जा रहा है
कि उत्तरी समुद्र स्नान क्षेत्र यहूदियों से
मुक्त है

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नाइट ऑफ़ ब्रोकन ग्लास :

- नवम्बर 1938
- एक जनसंहार में यहूदियों की सम्पत्तियों को तहस-नहस किया गया।
- यहूदी प्रार्थनाघर जला दिए गए।
- यहूदियों को गिरफ़्तार किया गया।



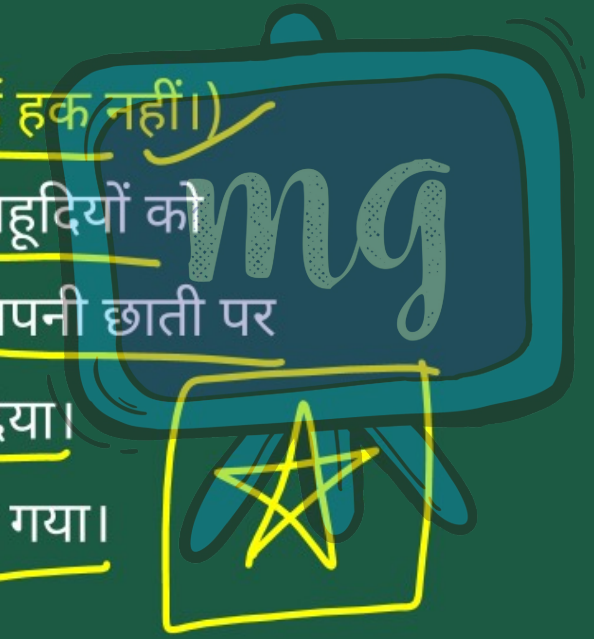
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ दूसरा चरण : दड़बाबंदी (Ghettoisation) :

1940-44

(तुम्हें हमारे बीच रहने का कोई हक नहीं।)



✧ सितम्बर 1941 से सभी यहूदियों को डेविड का पीला सितारा अपनी छाती पर लगाकर रखने का हुक्म दिया।

✧ उन्हें घेटों में दाखिल किया गया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



मेरे पास बेचने के लिए बस यही है।
घेटो के लोगों के पास जीने का कोई रास्ता नहीं बचा था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ तीसरा चरण : सर्वनाश : 1941 के बाद

(तुम्हें जीने का अधिकार नहीं)

- ✧ समूचे यूरोप के यहूदियों को मालगाड़ियों में भर-भर कर मौत के कारखाने में लाया जाने लगा।
- ✧ पोलैण्ड तथा अन्य पूर्वी इलाकों में उन्हे गैस चेंबरों में झोंक दिया गया।
- ✧ औद्योगिक और वैज्ञानिक तकनीकों के सहारे बहुत से लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भागने की कोशिश में मौत।
यातना गृह के चारों तरफ लगी तारों में करंट
दौड़ता रहता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



गैस चेंबर के बाहर कपड़ों के ढेर।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



एक यातना गृह

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



एक यातना गृह।

कैमरा मौत के मैदानों को भी खूबसूरत बना सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



‘अंतिम समाधान’ से
पहले कैदियों से छीने गए जूते

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

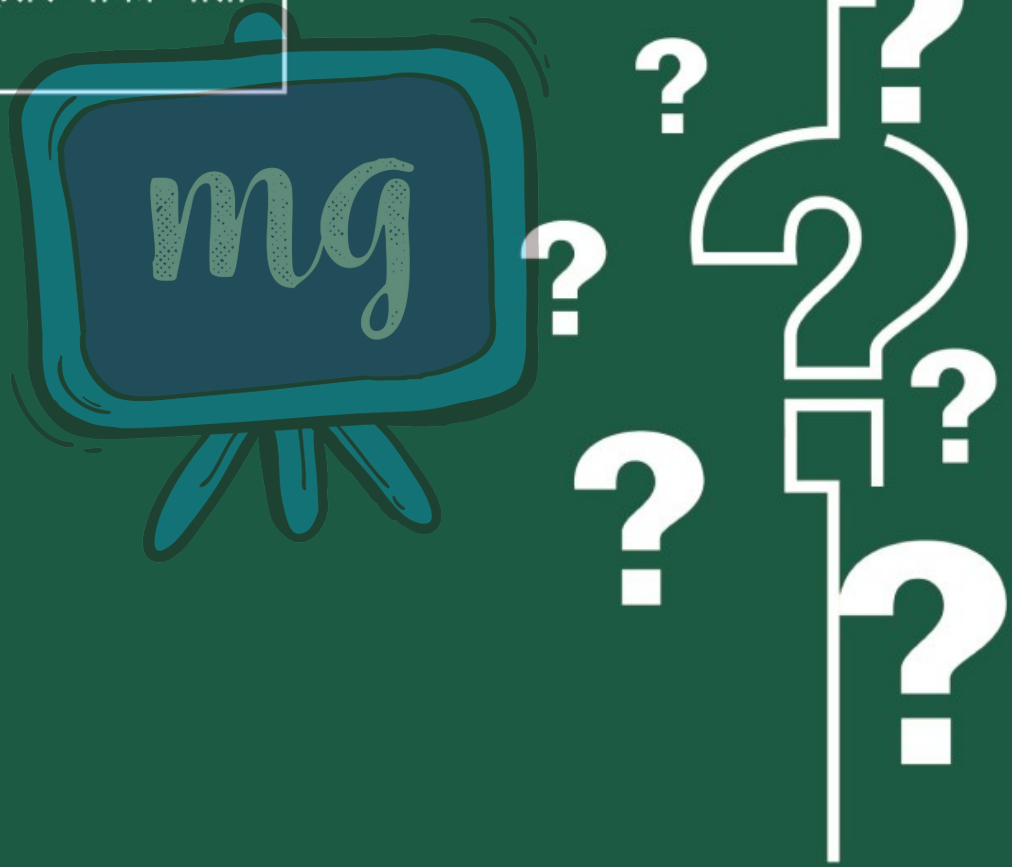
1. घेटो (Ghettoes)
2. मौत के सिलसिले के विभिन्न चरण
3. जनरल गवर्नमेंट



मूल्यांकन (Assessment)

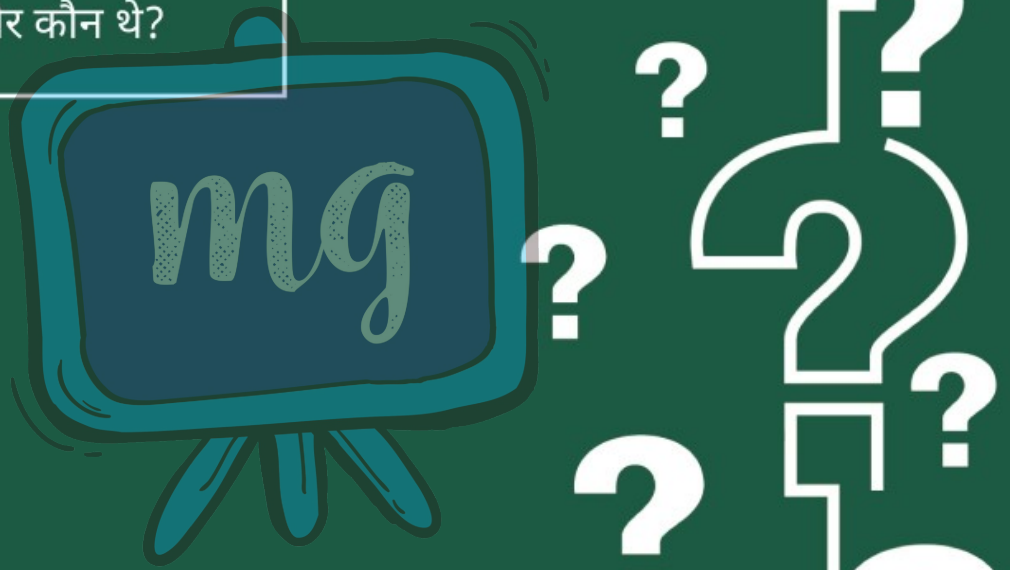
1 नात्सी जर्मनी में कौनसी नस्ल सबसे बेहतर आँकी जाती थी?

- अ यहूदी
- ब रूसी
- स नॉर्डिक आर्य ✓
- द पोलिश



2 ईसाइयों की नज़र में हत्यारे और सूदखोर कौन थे?

- अ यहूदी
- ब जिप्सी
- स मुस्लिम
- द उपरोक्त सभी



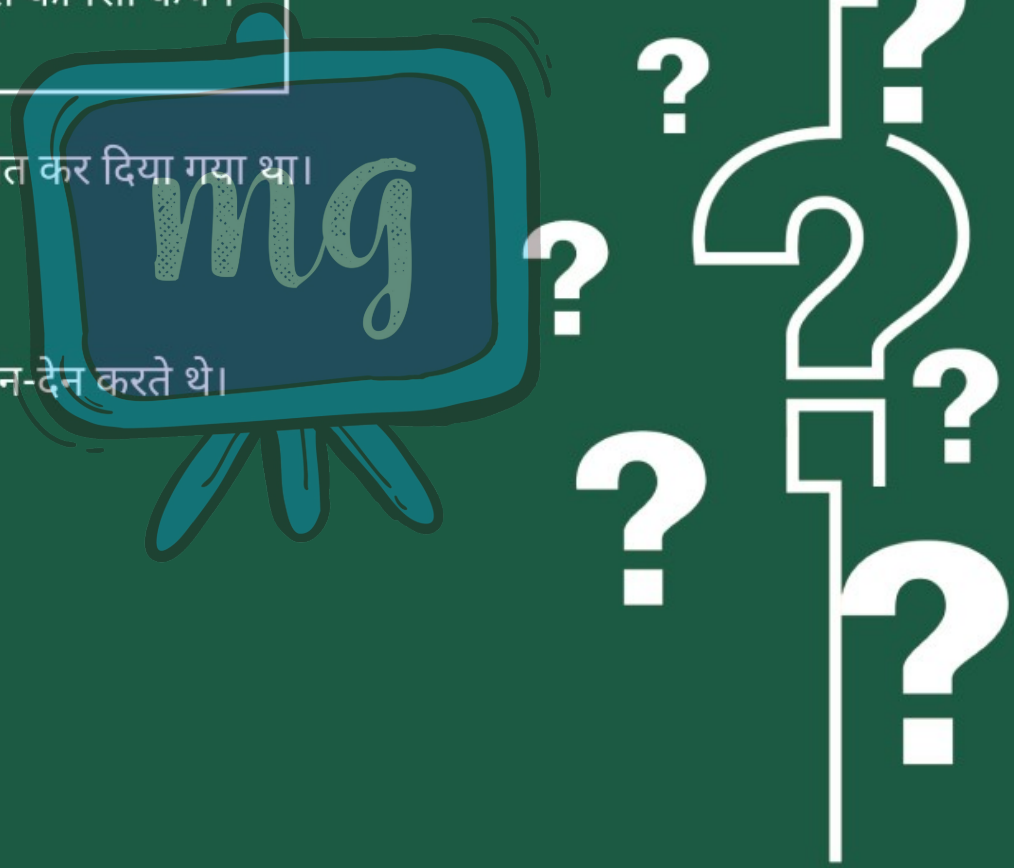
3 मध्यकाल में यहूदियों के लिए निम्न में से कौनसा कथन सत्य है?

अ उन्हें जमीन खरीदने के अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

ब ईसाई लोग उन पर हमले करते थे।

स वे मुख्य रूप से व्यापार और पैसों का लेन-देन करते थे।

द ✓ उपर्युक्त सभी



4 सत्ता में पहुँचते ही नात्सियों ने 'शुद्ध' जर्मनों के विशिष्ट नात्सी समुदाय की स्थापना के सपने को लागू करना शुरू कर दिया।

अ सत्य

ब असत्य





5 | यहूदी बाकी समाज से अलग बस्तियों में रहते थे जिन्हें ..... कहा जाता था।





